

काशी तमिऴ् सङ्गमम् तमिल शङ्गमम् 4.0



Daily Bulletin दैनिक बुलेटिन

Vol. 1, Issue 7 | 8 December 2025

अयोध्या में हुआ शिक्षकों के दल का भावपूर्ण स्वागत

काशी तमिल संगमम् 4.0 के अंतर्गत तमिलनाडु से आए शिक्षकों का दल शनिवार रात श्री अयोध्या धाम पहुँचा। पवित्र नगरी में उनका स्वागत अत्यंत उत्साह और परंपरागत रीति से किया गया। स्वागत करने वालों में उपजिलाधिकारी पूर्णिमा एवं उपजिलाधिकारी अरविंद कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। ढोल-नगाड़ों की मधुर ध्वनियों और 'जय श्री राम' के जयघोष ने स्वागत को भव्यता प्रदान की, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

स्वागत के पश्चात सांस्कृतिक प्रेक्षागृह में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण केवट प्रसंग रहा, जिसने रामायण की भावपूर्ण कथा को जीवंत कर दिया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही तमिलनाडु की पारंपरिक कला शिव-पार्वती अष्टम की प्रस्तुति ने मंच पर दक्षिण भारत की सांस्कृतिक छटा बिखेर दी। इस अनूठे सांस्कृतिक संगम ने दर्शकों को अद्भुत उत्साह और आनंद से भर दिया।

शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने इस स्वागत को अपने जीवन की अविस्मरणीय स्मृति बताया। काशी तमिल संगमम् 4.0 का यह अनुभव उन्हें न केवल नई संस्कृति से परिचित करा रहा है, बल्कि भारत की बहुरंगी एकता का एहसास भी करा रहा है।

एसडीएम अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृतिक संबंध और प्रगाढ़ होते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की इस दूरदर्शी पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को साकार स्वरूप प्रदान कर रहा है।



हनुमान घाट पर प्रतिनिधियों ने किया गंगा स्नान, सुब्रमण्य भारती के घर पहुँचकर जाना इतिहास



काशी तमिल संगमम् 4.0 में तमिलनाडु से आया लेखकों का समूह हनुमान घाट पहुँचा। जहाँ सभी ने गंगा में स्नान कर पूजा पाठ करते हुए सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। वहीं मौजूद आचार्यों ने विस्तार से गंगा के विभिन्न घाटों के इतिहास को बताया। गंगा स्नान के बाद समूह ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। सभी लोगों को मंदिरों के इतिहास दिव्यता, भव्यता और इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। इसके उपरांत तमिल प्रतिनिधि हनुमान घाट स्थित सुब्रमण्य भारती के घर गए। वहाँ उनके परिवार के सदस्यों से उन्होंने मुलाकात की। लेखकों के दल में काफी कुछ जानने की जिज्ञासा दिखी उन्होंने सुब्रमण्य भारती के घर के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और काफी कुछ वहाँ के बारे में जानकारी भी प्राप्त की।

सुब्रमण्य भारती के घर पर भ्रमण करने के उपरांत लेखकों का दल कांची मठ पहुँचा और वहाँ के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की काशी में दक्षिण भारतीय मंदिर को देखकर शिक्षकों का दल उत्साहित दिखे। काशी और तमिलनाडु से गहरा रिश्ता है और ये संगमम् 4.0 महज एक पखवाड़े का नहीं सदियों पुराना है। काशी के हनुमान घाट, केदारघाट, हरिश्चंद्र घाट पर मिनी तमिलनाडु बसता है।



‘வித்யாசக்தி’ தமிழ் கற்றலுை மறுவபிவமகைகும் ஒரு பிஜிட்டல் மயற்சி.

ஐஐடி மெட்ராஸின் புதுமையான ‘வித்யாசக்தி’ என்ற முயற்சி, 2021 இல் தொடங்கப்பட்டு, உத்தரபிரதேசத்தின் 10 மாவட்டங்களில் உள்ள 650 பள்ளிகளில் தினமும் பிற்பகல் 2:00 மணி முதல் 2:30 மணி வரை நேரடி தமிழ் வகுப்புகளை நடத்தி வருகிறது, அதே நேரத்தில் அறிவியல், தொழில்நுட்பம், பொறியியல் மற்றும் கணித வகுப்புகளையும் நடத்துகிறது.

வித்யாசக்தியின் செல்வாக்கு இந்தியா மற்றும் வெளிநாடுகளிலும் விரிவடைந்துள்ளது. இன்று, இந்த முயற்சி இந்தியாவில் 7,210 கிராமங்களிலும், இலங்கையில் 5,000 கிராமங்களிலும் செயல்பட்டு வருகிறது.

உத்தரபிரதேசத்தில், மாண்புமிகு முதல்வர் யோகி ஆதித்யநாத் அவர்களால் இந்த முயற்சி தொடங்கப்பட்டது. வித்யாசக்தி காசி தமிழ் சங்கமத்தின் இரண்டாவது மற்றும் மூன்றாவது பதிப்புகளில் பிரதமர் ஸ்ரீ நரேந்திர மோடியிடமிருந்து சிறப்பு அங்கீகாரத்தைப் பெற்றது.

அரசுக்கு வித்யாசக்தி வழங்கிய “தீர்வுகள்” என்ற ஆவணம், இந்தியாவின் ஐந்து முக்கிய தேசிய சவால்களை கோட்டுக் காட்டியது. குறிப்பாக, வித்யாசக்தியின் டிஜிட்டல் திட்டம், பெண்கள், இளைஞர்கள், முதல் தலைமுறை கல்லூரி மாணவர்கள், ஒற்றைத் தாய்மார்கள் மற்றும் பெண்களை மேம்படுத்துவதற்கான ஒரு தனித்துவமான முயற்சியை மேற்கொண்டு வருகிறது.

மேலும் உத்தரபிரதேசத்தில், மாணவர்களுக்கு அடிப்படை சொற்களஞ்சியம், உச்சரிப்பு, அன்றாட உரையாடல்கள் மற்றும் தமிழ் எழுத்து அங்கீகாரம்

ஆகியவை எளிமையான மற்றும் உள்ளுணர்வு முறையில் கற்பிக்கப்படுகின்றன.

வித்யாசக்தி ஒவ்வொரு நாளும் காலை 10:00 மணி முதல் 11:00 மணி வரை சுகாதாரப் பணியாளர்கள், NCC கேட்கள் மற்றும் மாணவர்களுக்கு சிறப்பு வகுப்புகளையும் நடத்துகிறது. சுகாதாரப் பணியாளர்களுக்கு அவர்களின் பணி தொடர்பான உரையாடல்கள் கற்பிக்கப்படுகின்றன. இந்த முயற்சி தமிழை வெறும் பாடமாக இல்லாமல், வாழ்க்கை மற்றும் வேலைக்கான கல்வி மொழியாக நிறுவுகிறது.



Kashi Tamil Sangamam 4.0: Teachers and students from Tamil Nadu experience the divine Ganga Aarti at Namoo Ghat



As part of Kashi Tamil Sangamam 4.0, teachers and students from Tamil Nadu witnessed the grand Ganga Aarti held at Namoo Ghat on Sunday. Highlighting the Kashi-Tamil cultural ties since ancient times, the delegates experienced the spiritual essence of Kashi up close at Namoo Ghat. As dusk fell, Namoo Ghat was illuminated with thousands of lamps, and the famous Ganga Aarti was a captivating sight. The chanting of mantras, the collective rhythm of the priests, and the bright flame of the brass lamps mesmerized the teachers and students present at the ghat. The golden glow of the Aarti falling on the surface of the Ganga further sanctified the atmosphere. The Tamil Nadu delegates said that witnessing the Aarti from Namoo Ghat was a rare spiritual experience for them, allowing them to deeply understand the religious traditions and cultural heritage of Kashi. According to many students, this experience was the most memorable moment of their visit to Kashi.

Kashi Tamil Sangamam 4.0 aims to strengthen the historical and cultural ties between Kashi and Tamil Nadu. Kashi Tamil Sangamam 4.0 has truly sown the seeds of unity through culture, spirituality, and shared heritage, especially for young students and teachers who are viewing this visit as a unique confluence of knowledge and emotional connection.

रविवार को काशी तमिल संगमम् 4.0 में पाठकों की उमड़ी भीड़, छात्रों ने एनबीटी के स्टॉल पर पुस्तकों का किया अवलोकन



काशी तमिल संगमम् 4.0 के अंतर्गत रविवार का दिन पाठकों के लिए विशेष रहा। साहित्य, संस्कृति और ज्ञान के इस महाआयोजन में जहाँ आम पाठकों ने पुस्तक मेलों का भरपूर आनंद उठाया, वहीं 7 दिसंबर की सुबह से ही छात्रों की भारी भीड़ आयोजन स्थल पर उमड़ पड़ी। साहित्य प्रेमी छात्रों ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया) के स्टॉल का उत्साहपूर्वक भ्रमण किया और विभिन्न विषयों पर आधारित पुस्तकों का अवलोकन किया। एनबीटी के स्टॉल पर छात्रों ने विशेष रूप से भाषा, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं तमिल-संस्कृत संबंधों पर आधारित पुस्तकों में गहरी रुचि दिखाई। छात्रों ने बताया कि इस आयोजन ने उन्हें न केवल नई किताबों से रुबरू कराया, बल्कि पठन-पाठन के प्रति नई प्रेरणा भी दी।

आयोजन स्थल पर मौजूद शिक्षकों ने कहा कि ऐसे साहित्यिक आयोजनों से छात्रों में ज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ती है और उन्हें भारतीय ज्ञान परंपरा को करीब से समझने का अवसर मिलता है।

काशी तमिल संगमम् 4.0 में पुस्तक संस्कृति और पाठकीयता को बढ़ावा देने वाला यह उत्साह आयोजकों के लिए भी प्रेरणादायी रहा। आयोजन में आने वाले दिनों में भी इसी तरह बड़ी संख्या में पाठकों के आने की उम्मीद जताई जा रही है।

काशी तमिल संगमम् 4.0 में आए तीसरे तमिल शिक्षक समूह ने काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन-पूजन

काशी तमिल संगमम् 4.0 में तमिलनाडु से आए शिक्षकों के तीसरे समूह के दल का काशी विश्वनाथ मंदिर के अधिकारियों ने डमरू वादन और पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया। स्वागत के उपरांत सदस्यों को मंदिर प्रशासन द्वारा काशी विश्वनाथ धाम के भव्य कॉरिडोर का विस्तृत भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान सभी ने धाम के ऐतिहासिक स्वरूप, स्थापत्य कला, नवनिर्मित सुविधाओं और निरंतर बढ़ती श्रद्धा-धारा के बारे में जानकारी दी। भ्रमण पूर्ण होने पर सभी अतिथियों के लिए मंदिर द्वारा संचालित अन्नक्षेत्र में दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। काशी तमिल संगमम् 4.0 के तीसरे समूह का दर्शन और भ्रमण दोनों समुदायों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंधों को और सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ है।



264 प्रतिभागियों का चौथा दल काशी तमिल संगमम् 4.0 के लिए हुआ रवाना दक्षिण रेलवे ने इस कार्यक्रम के लिए 7 विशेष ट्रेन सेवाएँ चलाई हैं

दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने आज काशी तमिल संगमम् 4.0 के लिए प्रतिनिधियों और कलाकारों के चौथे दल के सुचारु प्रस्थान की सुविधा प्रदान की, जो इस साल की विस्तारित सांस्कृतिक पहल में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है। दक्षिण सांस्कृतिक क्षेत्र के 264 प्रतिनिधि डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन से विशेष ट्रेन नंबर 06003 (चेन्नई सेंट्रल-बनारस) से 6 दिसंबर की सुबह 04:15 बजे रवाना हुए। सभी यात्रियों के लिए कुशल बोर्डिंग और निर्बाध सहायता सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हेल्प डेस्क तैनात किए गए थे। इस साल की थीम, 'आइए, तमिल सीखें - तमिल करकलाम' तमिल भाषा सीखने को कार्यक्रम के केंद्र में है। इस पहल का उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करना और काशी क्षेत्र के प्रतिभागियों को तमिल सीखने की गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है।

तमिलनाडु से 1400 से अधिक प्रतिभागी- जिनमें छात्र, शिक्षक, लेखक, कलाकार, किसान, पेशेवर और शोधकर्ता शामिल हैं, काशी



में सांस्कृतिक, शैक्षणिक और ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आ रहे हैं। यह 2022 में संगमम् शुरू होने के बाद से सबसे बड़े प्रतिनिधिमंडलों में से एक है।

प्रतिभागियों की बड़े पैमाने पर आवाजाही का समर्थन करने के लिए, दक्षिणी रेलवे IIT मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के समन्वय से सात विशेष ट्रेन सेवाएँ चला रहा है। इनमें शामिल हैं :

- चेन्नई सेंट्रल - बनारस - 03 सेवाएँ
- कन्याकुमारी - बनारस - 02 सेवाएँ
- कोयंबटूर - बनारस - 02 सेवाएँ

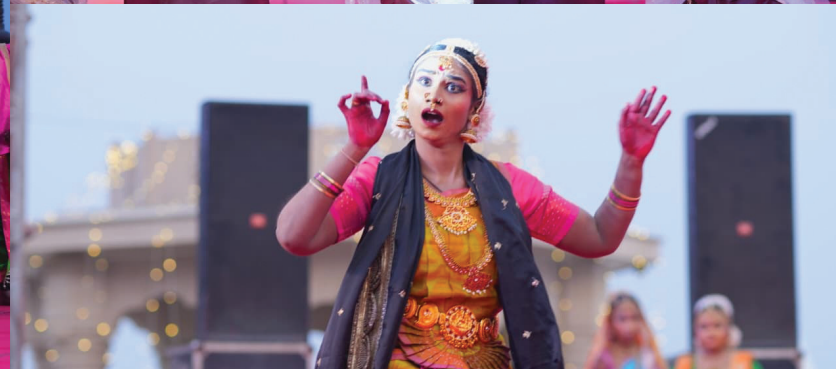
प्रतिनिधियों का पहला बैच 29 नवंबर, 2025 को कन्याकुमारी से रवाना हुआ। चेन्नई डिवीजन सभी प्रतिभागियों के लिए सुरक्षित, आरामदायक और सुव्यवस्थित यात्रा व्यवस्था प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और तमिलनाडु और काशी के बीच इस महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कड़ी का समर्थन करना जारी रखे हुए है।



संयोजक विद्यालय में सरण प्राप्त रहे।
देश के धार्मिक परिवर्तन पर भी इस
विद्यालय की छात्र छात्रा भी देखी जा
सकती है। पुरी के संजयचरण
निर्गुणदेव तीर्थ, पं. रामचंद्र साहूजी

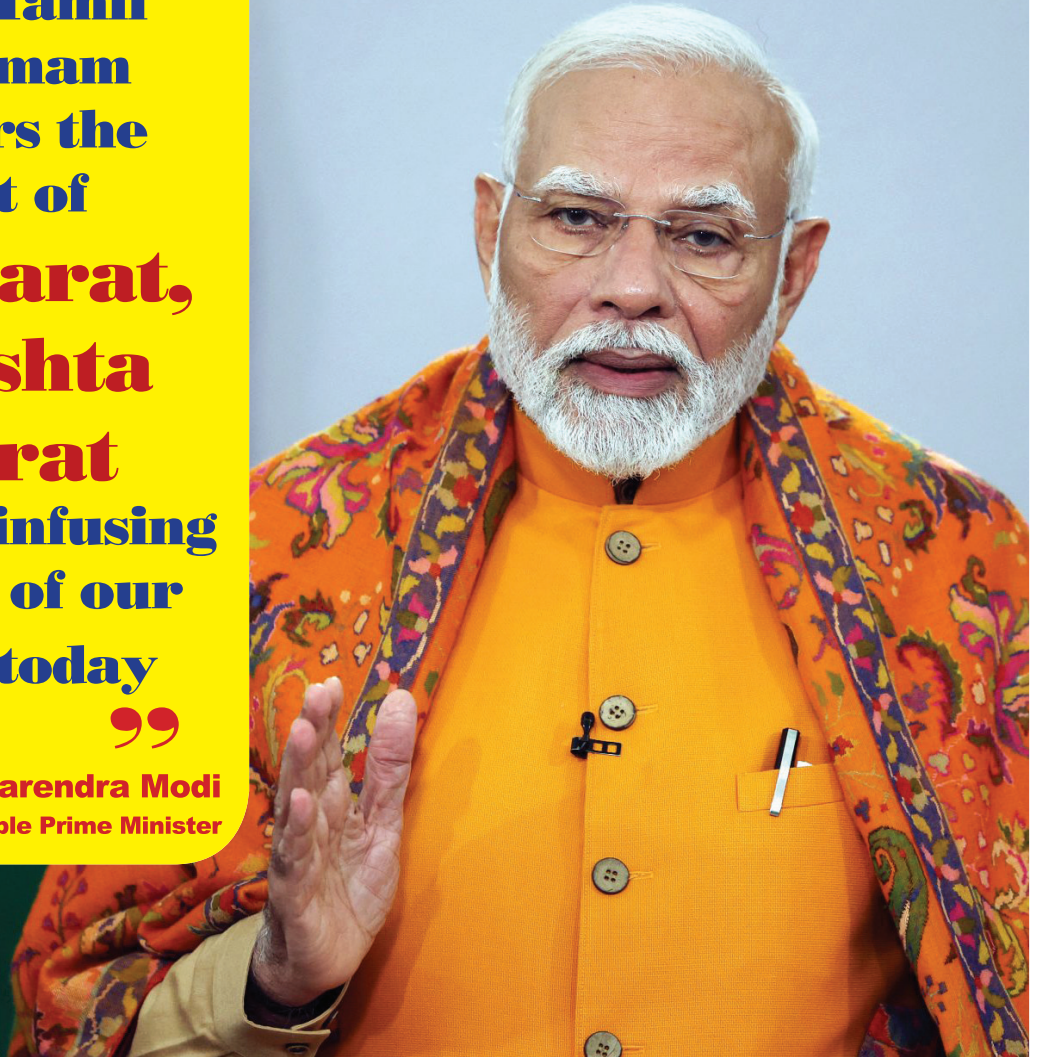
‘छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइके’ पर झूमे दर्शक

काशी और तमिल परंपरा का सेतु बना काशी तमिल संगमम् 4.0 के क्रम में आज नमो घाट पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने अद्भुत कला-रस की अनुभूति कराई। अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक चले इस कार्यक्रम ने तमिलनाडु और काशी दोनों की सांस्कृतिक धरोहरों को एक ही मंच पर सुर, नृत्य और भावों के माध्यम से जोड़ दिया। कार्यक्रम की शुरुआत हुई वाराणसी की प्रसिद्ध लोकगायिका ममता शर्मा एंड ग्रुप के लोक-संगीत से, जिनकी मधुर वाणी ने घाट की पवन में अपने आप लोक रस को घोल दिया। इसके बाद शिवानी शुक्ला आचार्य एवं ग्रुप द्वारा प्रस्तुत स्वर-भजन ने भक्तिमय वातावरण रचते हुए दर्शकों को अध्यात्म की सरस धारा में प्रवाहित कर दिया। तमिलनाडु ग्रुप द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक लोक नृत्य ने दक्षिण भारत की सांस्कृतिक गाथा को गति और ताल के संग जीवंत किया। तत्पश्चात् वाराणसी की कलाकार शुभांगी एंड ग्रुप ने भरतनाट्यम की गंभीरता, लय और भावभंगिमा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के उत्तरार्ध में सुनिधि पाठक एवं ग्रुप ने कथक की मनोहर प्रस्तुतियों से काशी की नृत्य-परंपरा को मंच पर पुनः उजागर किया। नमो घाट का वातावरण ताल-लय, नाद-रस और भाव-नृत्यों से ऐसा सजीव हुआ, मानो काशी स्वयं तमिल भावधारा के स्वागत में पुलकित हो उठी हो। ‘छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइके’ गीत पर दर्शक झूम उठे।



“
**Kashi Tamil
Sangamam
furtheres the
spirit of
Ek Bharat,
Shreshta
Bharat**
which is infusing
the soul of our
nation today
”

Shri Narendra Modi
Hon'ble Prime Minister



समय



काशी तमिल संगमम्
काशी तमिल संगमम्
KASHI TAMIL SANGAMAM

Kashi Tamil Sangamam 4.0

Namo Ghat, Varanasi | December 2025

बाल गतिविधियाँ

गतिविधि एवं विशेषज्ञ

8 Dec 2025 (Monday)

10:00 am to 11:00 am
11:15 am to 12:15 pm
12:15 pm to 12:35 pm

एक समय की बात है - कहानी सत्र by Seema Wahi
आओ लिखें कहानी by NCCL
Orientation on Rashtriya e-Pustakalaya by Team ReP



कक्षा

1 to 5
6 to 12
9 to 12

